लखनऊ बन रहा वेयर हाउस इंडस्ट्री का हब

माई सिटी रिपोर्टर

एक साल में 66 फीसदी बढ़ा कारोबार, नादरगंज, कानपुर हाईवे पर तेजी से बढ़े वेयरहाउस

लखनऊ। समुद्र तटीय इलाकों के बाद लखनऊ अब मेट्रो शहरों की तरह तेजी से वेयरहाउस इंडस्ट्री में मजबूती दिखा रहा है। यही वजह है कि यहां वेयरहाउस इंडस्ट्री में मुंबई व कोलकाता से ज्यादा वृद्धि देखने को मिल रही है। रीयल एस्टेट सलाहकार फर्म फ्रेंक नाइट इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष में 66 फीसदी वृद्धि वेयर हाउस कंपनियों द्वारा जगह किराये पर लेने के रूप में हुई है।

एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक लखनऊ में 2021-22 में 11.9 लाख वर्गफीट वेयरहाउस स्पेस किराए पर लिया गया। वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 19.7 लाख वर्गफीट हो गया है। यह पूरे साल में 66 फीसदी की वृद्धि है। इसके चलते लखनऊ में आज ए ग्रेड का 15 लाख वर्गफीट वेयरहाउस स्पेस पाइपलाइन में है और जल्दी ही उपयोग के लिए तैयार हो जाएगा। लॉजिस्टिक मार्केट में उभरते शहरों में यह सबसे अधिक है। ई-कॉमर्स कंपनियों की लखनऊ में मौजूदगी भी इसके पीछे की वजह रही है। ई-कॉमर्स कंपनियों की लॉजिस्टिक सहयोगी कंपनियों ने इन वेयरहाउस लीज को अपने काम के लिए उपयोग किया। मौजूदा वित्तीय वर्ष में इस कारोबार के और अधिक बढ़ने की संभावना भी रिपोर्ट में बताई गई है। रिलायंस रिटेल, लुलु मॉल के आने से रिटेल की भागीदारी भी इस क्षेत्र में बढ़ी है। ई-कॉमर्स की हिस्सेदारी 76 फीसदी से घटकर 21 फीसदी हो गई है।

लखनऊ में वेयरहाउस का निर्माण सबसे तेजी से कानपुर हाईवे, बिजनौर, नादरगंज औद्योगिक क्षेत्र के आसपास, आशाखेड़ा, कुशेरी, सोहरामऊ, मोहनलालगंज, ट्रांसपोर्टनगर में हुआ है। उन्नाव के पास जमीन उपलब्ध होने से यहां विकास की संभावना और अधिक है। मोहान रोड पर भी अब वेयरहाउस तेजी से विकसित हो रहे हैं। किराये की दर भी यहां आकर्षक होने से कंपनियां लखनऊ को दूसरे शहरों की तुलना में चुन रही हैं। छोटे उभरते शहरों में लखनऊ के अलावा इंदौर में 97 फीसदी, गुवाहटी में 14 फीसदी, विशाखापत्तनम में 265 फीसदी, भुवनेश्वर में 36 फीसदी, पटना में 18 फीसदी वृद्धि हुई है। इसके उलट बड़ोदरा में 34 फीसदी, लुधियाना में 39 व जयपुर में 37 फीसदी की कमी वेयरहाउस इंडस्ट्री में देखने को मिली है। बड़े शहरों की बात करें तो मुंबई में 10 फीसदी, बंगलूरू में 25, कोलकाता में 18, हैदराबाद में 5.1 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, एनसीआर में पांच फीसदी, चेन्नई में 11 और अहमदाबाद में 21 फीसदी की कमी हुई है।